कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 09.09.2025

/प्रेस विज्ञप्ति/

कन्या महाविद्यालय में

रजत जयंती के अवसर पर 'गुरू संग गोठ' का आयोजन

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती समारोह के अवसर पर 'गुरू संग गोठ' कार्यक्रम के अंतर्गत अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यगीत 'अरपा पैरी के धार' के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ धन-धान्य से परिपूर्ण है, इसलिए इसे धान का कटोरा कहा जाता है। सांस्कृतिक, साहित्यिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ अत्यंत समृद्ध है। छत्तीसगढ़ के चहुमुखी विकास में विकास में हम सबका योगदान होना चाहिए। मुख्य वक्ता डॉ0 जैनेन्द्र दीवान, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, हेमचंद यादव वि0 वि0, दुर्ग ने 'विकसित छत्तीसगढ़ के लिए युवाओं का योगदान' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास के आयामों में आर्थिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण शामिल है। जिसमें युवाओं को समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। अतिथि वक्ता डॉ0 चांदनी मरकाम, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैशाली नगर ने छत्तीसगढ़ी भाषा में ' छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ को लघु भारत कहा जाता है। वैश्विक परिदृश्य में छत्तीसगढ़ का नाम है। कला एवं संस्कृति की दृष्टि से छत्तीसगढ़ विश्व विख्यात है। डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने इस अवसर पर स्वागत भाषण एवं अतिथि परिचय छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रस्तुत किया। डॉ0 रेशमा लाकेश ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध और गौरवशाली विरासत तथा छत्तीसगढ़ की गौरवगाथा पर प्रकाश डाला। कु0 विधि ने पी0 पी0 टी0 के माध्यम से छत्तीसगढ़ के इतिहास का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 मिलिन्द अमृतफले ने किया। आभार डॉ0 मुक्ता बाखला ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ0 अमिता सहगल, डॉ0 मीरा गुप्ता, डॉ0 अनुजा चौहान, डॉ0 मोनिया राकेश, श्रीमती ज्योति भरणे उपस्थित रहीं। तबस्सुम अली, संध्या, विमल यादव का विशेष योगदान रहा।

टीप - छात्रहित में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

रजत जयंती के अवसर पर
'गुरू संग गोठ' का आयोजन